Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya,

Garua Maksoodpur, Ghazipur

Workshop on Creative Writing: Poetry and Stories

महात्मा गांधी शति स्मारक महाविद्यालय गरुआ मकसूदपुर, गाज़ीपुर हिन्दी विभाग के तत्वावधान और अन्य विभागों के सहयोग से महाविद्यालय में छात्रों के लिए एक रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसका उद्देश्य उनकी रचनात्मक प्रतिभा को पोषित करना और साथ ही उनके शैक्षणिक लाभ के लिए भी था, जिनके पास संयोग से उनके कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में रचनात्मक लेखन पर एक पेपर भी है। कार्यशाला 05 सितंबर, 2022 को सेमिनार कक्ष में आयोजित की गई थी।

कार्यशाला का शुभारंभ प्राचार्य सुशील तिवारी के अध्यक्षीय भाषण से हुआ। इस कार्यशाला में ज्ञानेंद्र प्रकाश प्रमुख प्रवक्ता थे।

कार्यशाला में सभी विषयों के छात्रों ने भाग लिया, कार्यशाला की शुरुआत कथा लेखन में शामिल रचनात्मक प्रक्रियाओं पर प्रकाश डालने के साथ हुई। कार्यशाला के हिस्से के रूप में, छात्रों को एक लेखक की तरह पढ़ने और लिखने की रणनीतियों से अवगत कराया गया, और सावधानी पूर्वक काव्य विकल्पों और साहित्यिक निर्माणों और इस तरह के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसका उद्देश्य उन्हें रचनात्मक लेखन के लिए अपनी कल्पनाशील क्षमता और साहित्यिक स्वभाव का पता लगाने की अनुमति देना है। छात्रों ने गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर अच्छी प्रतिक्रिया दी। श्री प्रकाश जी ने बताया की रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है।

सत्र में डिजिटल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वर्तमान युग में लेखन, प्रकाशन और रचनात्मक लेखन के भविष्य के अन्य पहलुओं पर भी चर्चा हुई- जिनमें से सभी ने पूरे अनुभव को समृद्ध बना दिया।

इस कार्यशाला का समापन श्री नितेश पांडे द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।